भजन

मेरे पिया का क्या कहना, नूरी मुखड़े वाले मेरे धाम धनी
शोभा सुन्दरता का कोई पार नहीं

1 किया सिनगार सब मेरे दुल्हा, वस्तर भूषण तेज अपारा
कंठ हार, अंग अंग नूरी, नूरी झलकारों झलकारा
दुल्हा का क्या कहना, नूरी मुखड़े वाले.

2.) श्वेत है जामा केसरी इजार, पाग सेन्दुरिया पटुका है नीला पीला
रंग पिछोरी है आसमानी, पूर्ण स्वरूप है नूर सजीला
साहेब का क्या कहना नूरी मुखड़े वाले.

3.) अखंड स्वरूप, धाम अन्दर, शामा जी की छवि अति सुन्दर
शीश कमल पर राखडी सोहे, मुखडा नूरी टीका मस्तक ऊपर
शामा जी का क्या कहना नूरी मुखडे वाली मेरी शामा जी